नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य

चर्चा में क्यों?

मध्य प्रदेश में भारतीय भेड़ियों को **रेडियो कॉलर** पहनाया जाएगा, जिससे उनके आवास, खानपान और व्यवहार पर शोध करने में सहायता मिलेगी।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - **NTCA** से अनुमति मिलते ही **नौरादेही** **वन्यजीव अभयारण्य** में अलग-अलग झुंडों के तीन भेड़ियों को रेडियो कॉलर लगाया जाएगा।
  - इसके लिये फरवरी 2024 में जबलपुर स्थित **राज्य वन अनुसंधान संस्थान** द्वारा दो वर्षीय अध्ययन शुरू किया गया था।
  - **उद्देश्य**
    - इस शोध का उद्देश्य भेड़ियों के जीवन, उनके भोजन, आवास, दिनचर्या और बाघ तथा तेंदुए जैसे जानवरों के साथ उनके सह-अस्तित्व के बारे में जानना है।
- **मध्य प्रदेश में भेड़ियों की स्थिति:**
  - वर्ष 2022 में देशभर में भेड़ियों की गणना की गई, जिसमें सबसे ज़्यादा भेड़ियों की संख्या के साथ मध्य प्रदेश ने पहला स्थान प्राप्त किया।
  - गणना के अनुसार, भारत में कुल 3170 भेड़िये थे, जिनमें से 20% यानी 772 भेड़िये अकेले मध्य प्रदेश में पाए गए।
- **नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य**
  - नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य मध्य प्रदेश का **सबसे बड़ा** **वन्यजीव अभयारण्य** है।
  - यह अभयारण्य मध्य प्रदेश के तीन जिलों सागर, दमोह और नरसिंहपुर में लगभग 1197 वर्ग किमी. क्षेत्र में फैला हुआ है।
  - यह संरक्षित क्षेत्र भारत की **दो प्रमुख नदी घाटियों, नर्मदा और गंगा के तट पर स्थित है।**
  - यह भारतीय भेड़िये (कैनिस ल्यूपस पैलिप्स) का प्राकृतिक आवास है, जो ग्रे वुल्फ की एक उप-प्रजाति है।
    - वर्ष 1975 में इसे भेड़ियों के संरक्षण के लिए प्रदेश का सबसे बड़ा अभयारण्य का दर्जा दिया गया था।
  - नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य को **चीतों के लिये भी उपयुक्त क्षेत्र माना गया है**, इसलिए इसे एक साल पहले टाइगर रिज़र्व का दर्जा दिया गया था।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण

- राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) पर्यावरण, **वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय** के तहत एक **वैधानिक निकाय (Statutory Body)** है।
- इसकी **स्थापना वर्ष 2006 में** **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972** के प्रावधानों में संशोधन करके की गई। प्राधिकरण की पहली बैठक नवंबर 2006 में हुई थी।
- यह राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (NTCA) के प्रयासों का ही परिणाम है कि देश में विलुप्त होते बाघों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/nauradehi-wildlife-sanctuary